प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / **Question Booklet Serial No. : 101-**

ANNUAL EXAMINATION – 2026

CLASS IX

विषय कोड :
Subject Code : 101

मातृभाषा हिन्दी

HINDI (MT)

कुल प्रश्न : 100 + 6 = 106 | कुल मुद्रित पृष्ठ : 16

Total Questions : 100 + 6 = 106 | **Total Printed Pages : 16**

(समय : 3 घंटे 15 मिनट) | (पूर्णांक : 100)

[Time : 3 Hours 15 Minutes] | [Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. ***परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।***
2. *परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।*
3. *दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।*
4. *प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।*
5. *यह प्रश्न पुस्तिका दो खण्डों में है — **खण्ड-अ** एवं **खण्ड-ब**।*
6. ***खण्ड-अ** में 100 **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न हैं, जिनमें से **किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।** पचास से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने पर प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1 अंक** निर्धारित है। सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये **OMR** उत्तर पत्रक में दिये गये सही विकल्प को **नीले / काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/ तरल पदार्थ / ब्लेड / नाखून आदि का OMR उत्तर-पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।***
7. ***खण्ड - ब में 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं ।***
8. *किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है ।*

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग लिखें।

क) मेरे जीवन का लक्ष्य

ख) मजहब नहीं सिखाता आपस में वैर रखना

ग) प्रकृति-वर्णन

घ) सदाचार

ङ) होली

4. गृहप्रवेश का निमंत्रण देते हुए अपने मित्र के पास एक पत्र लिखे

अथवा

भारतीय होने के गर्व पर दो छात्रों के आपसी संवाद को लिर

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

i) समास को परिभाषित करेते हुए उसके भेदों को लिखें

ii) अमृतलाल नागर के अनुसार पृथ्वीराज कपूर कौन थे

III) 'बिहार में नृत्यकला' शीर्षक पाठ के अनुसार मगह में किस लोकनृत्य का प्रचलन था?

iv) गुरुगोविन्द्र सिंह की किन्हीं चार रचनाओं के नाम लिखें।

v) महादेवी वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

iv) गुरुगोविन्द्र सिंह की किन्हीं चार रचनाओं के नाम लिखें।

v) महादेवी वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

x) टॉल्सटाय ने अपनी समाधि के विषय में क्या कहा था?

6.ख) 'भारतीय रेलें हमें जीवन जीना सिखाती हैं।"व्याख्या करे

3. (क) मेरे जीवन का लक्ष्य

प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक निश्चित लक्ष्य होना चाहिए, क्योंकि बिना लक्ष्य के जीवन उस नाव के समान है जिसका कोई मल्लाह न हो। मेरे जीवन का लक्ष्य एक **शिक्षक** बनना है। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे समाज की बुराइयों को दूर किया जा सकता है। मैं एक आदर्श शिक्षक बनकर बच्चों को न केवल किताबी ज्ञान देना चाहता हूँ, बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान भी बनाना चाहता हूँ। मेरा मानना है कि शिक्षित नागरिक ही देश को उन्नति के शिखर पर ले जा सकते हैं। अपने इस लक्ष्य को पाने के लिए मैं निरंतर परिश्रम कर रहा हूँ।

4. भारतीय होने के गर्व पर दो छात्रों का संवाद

रोहन: राहुल, क्या तुमने कल गणतंत्र दिवस की परेड देखी? मुझे भारतीय होने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा था।

राहुल: हाँ रोहन! हमारी संस्कृति, खान-पान और इतनी विविधता के बाद भी हमारी एकता सचमुच बेमिसाल है।

रोहन: बिल्कुल, आज भारत अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक हर क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

राहुल: सही कहा। स्वामी विवेकानंद और अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों की इस धरती का हिस्सा होना ही हमारे लिए सबसे बड़ा गौरव है।

रोहन: हम खुशनसीब हैं कि हम इस महान देश के नागरिक हैं। जय हिंद!

5. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर

i) समास की परिभाषा और भेद:

दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बने नए सार्थक शब्द को समास कहते हैं। इसके मुख्य 6 भेद हैं: 1. अव्ययीभाव, 2. तत्पुरुष, 3. कर्मधारय, 4. द्विगु, 5. द्वंद्व, 6. बहुव्रीहि।

ii) अमृतलाल नागर के अनुसार पृथ्वीराज कपूर:

अमृतलाल नागर के अनुसार पृथ्वीराज कपूर हिंदी फिल्म जगत और रंगमंच के एक महान स्तंभ थे, जिन्होंने 'पृथ्वी थिएटर' के माध्यम से कला और समाज को जोड़ने का काम किया।

iii) मगह में प्रचलित लोकनृत्य:

'बिहार में नृत्यकला' पाठ के अनुसार मगध (मगह) क्षेत्र में **'कठघोड़वा'** और **'धोबिया'** नृत्य का विशेष प्रचलन था।

iv) गुरु गोविंद सिंह की चार रचनाएँ:

1. जापु साहिब, 2. अकाल उस्तति, 3. बचित्र नाटक, 4. चंडी चरित्र।

v) महादेवी वर्मा का जन्म:

महादेवी वर्मा का जन्म **26 मार्च, 1907** को उत्तर प्रदेश के **फर्रुखाबाद** शहर में हुआ था।

x) टॉल्सटाय की समाधि:

टॉल्सटाय ने अपनी समाधि के विषय में कहा था कि उनकी समाधि बिल्कुल साधारण होनी चाहिए। उस पर न कोई स्मारक बने और न ही कोई पत्थर लगाया जाए; वह निर्धन-से-निर्धन व्यक्ति की कब्र जैसी ही सादा हो।

6. (ख) 'भारतीय रेलें हमें जीवन जीना सिखाती हैं' – व्याख्या

इस पंक्ति का अर्थ है कि भारतीय रेल हमें विविधता में एकता और सामंजस्य सिखाती है। ट्रेन के एक ही डिब्बे में अलग-अलग जाति, धर्म और भाषाओं के लोग साथ यात्रा करते हैं। जैसे जीवन में सुख-दुख के मोड़ आते हैं, वैसे ही रेल भी बाधाओं को पार करते हुए अपनी मंजिल की ओर बढ़ती रहती है। यह हमें सिखाती है कि सीमित संसाधनों में मिल-जुलकर कैसे रहा जाता है और निरंतर गतिमान रहना ही जीवन है।